

श्वेता विजन

“नजरिया साफ, ख़ख़रें निष्पक्ष”

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

लोकतांत्रिक
तरीके से कराना
कैसे है, ये
सिखाने वाले
अपार चाणक्य,
पूर्व मुख्य चुनाव
आयुक्त (सीईसी)
टीएन शेषन का
याद आना 2
स्वाभाविक है।

शनिवार 26 सितम्बर 2026

हैदराबाद से प्रकाशित

WEB SITE : Shwetha.co.in

संपादक : रघुराम राजू कालीदिंडी

पृष्ठ - 1 | अंक - 11 | वर्ष - 8 | मूल्य - 3रु

लोकल बुखार

ए लोकल लड़ाई.. जीतने वाले
घोड़ों की तलाश
गठबंधन में सीट एडजस्टमेंट
को लेकर उत्साह
जीतने वाले घोड़ों की तलाश में
पार्टियां
लूट जमीनी ताकत बनाए रखने
में जुटी



ANDHRA PRADESH

shwetha.co.in 138051623

आंध्र प्रदेश में लोकल बांडी चुनावों की गमी धीरे-धीरे बढ़ रही है। राजनीतिक पार्टियां ग्राम पंचायत से लेकर नगर पालिका, कॉर्पोरेशन, डबल, ट्रांस राफ, हर लेवल पर अपनी ताकत गिन रही हैं। यह लोकल लड़ाई, जो 2024 के विधानसभा चुनावों के बाद हो रही है, पार्टियों ने अपने कैंडिडेट को कितना बनाया है? गांव के लेवल से लेकर शहरी लेवल तक किसकी ऑर्गेनाइजेशनल ताकत क्या है? यह सवाल का टेस्ट बनता जा रहा है। इसीलिए ये चुनाव सिर्फ लोकल एडमिनिस्ट्रेशन के चुनाव नहीं हैं, बल्कि पार्टियों के लिए राज्य की राजनीति में अपनी मौजूदगी स्थिति का अंदाजा लगाने का एक प्लेटफॉर्म भी है। हालांकि, धुंकि चुनाव शेड्यूल और सीटों के हिसाब से पूरा मुकामला



अभी तय नहीं हुआ है, इसलिए बड़ी पार्टियों का फोकस अभी उम्मीदवारों की तलाश और फील्ड-लेवल की ताकत पर है। सत्तारूढ़ गठबंधन में असली दिलचस्पी सीट एडजस्टमेंट को लेकर है। जय, जन सेना और उश्र के लोकल बांडी इलेक्शन में

साथ आने से, कौन सी पार्टी किस एरिया में चुनाव लड़ेगी? यह एक अहम सवाल बन गया है। जन सेना ने लोकल बांडी इलेक्शन के लिए पहले ही स्पेशल कमेटी बना ली है और हर चुनाव क्षेत्र में अपनी ताकत और कमजोरियों का अंदाजा लगा रही है। पार्टी लीडरशिप ने सुझाव दिया है कि पहले शहरी लोकल बांडी में ताकत की पहचान की जानी चाहिए। हाल ही में, नांदेदला मनोहर ने भी साफ किया कि फाइनल सीटों और कैंडिडेट अभी फाइनल नहीं हुए हैं, और सिर्फ उन्हीं सीटों पर चुनाव लड़ने को प्राथमिकता दी जाएगी जहां जीतने का चांस है। दूसरी ओर, उश्र के प्रदेश अध्यक्ष वट्ट नाथ ने भी कहा कि गठबंधन में शामिल तीनों पार्टियां फील्ड लेवल पर ताकत का अंदाजा लगा

70 साल पुरानी दोहरीघाट नहर का आधुनिकीकरण, 55 हजार हेक्टेयर क्षेत्र को मिलेगा सिंचाई लाभ

मऊ : पूर्वांचल के खेतों तक पानी पहुंचाने वाली करीब 70 साल पुरानी चौधरी चरण सिंह दोहरीघाट पंप नहर अब कलेवर में तैयार है। साल 1956 में द्वितीय पंचवर्षीय योजना के दौरान बनाई गई इस नहर का अब पूरी तरह आधुनिकीकरण कर दिया गया है, पुरानी मशीनरी की जगह नए मोटर-पम्प और पैनल लगाए गए हैं, साथ ही, सर्वेक्षण को भी अपग्रेड किया गया है। शुक्रवार को प्रदेश के जलसिंचाई मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने इस आधुनिक सिंचाई परियोजना का लोकार्पण किया। विभाग के मुताबिक, अब पंप नहर को फिर से 660 हेक्टेयर क्षमता से संचालित किया जा सकेगा। इससे मऊ और बलिया के करीब 55 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में



सिंचाई की सुविधा मिलेगी, लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान किसानों को सम्मानित किया गया। परिसर में वृक्षारोपण हुआ और बच्चों को बैग वितरित किए गए कार्यक्रम में जनसंवाद भी आयोजित किया गया, जिसमें स्थानीय लोगों और किसानों से बातचीत भी की गई। दोहरीघाट

पम्प नहर का आधुनिकीकरण केवल तकनीकी बदलाव तक सीमित नहीं है, परियोजना परिसर को भी नया स्वरूप दिया गया है। यहां आधुनिक कंट्रोल रूम, नए उपकरण, 30 किलोवाट के सोलर पैनल और टैरेस सिटिंग एरिया बनाया गया है, इसके अलावा परिसर को पेड़-पौधों के साथ आकर्षक बनाया गया है। यह परियोजना मऊ और बलिया के किसानों के लिए बेहद खास है, इससे करीब 65 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा मिलेगी, कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए खरीफ और रबी दोनों ही मौसमों में समय पर सिंचाई का मिलना बेहद जरूरी होता है, विभाग का उद्देश्य इस सिंचाई व्यवस्था को और अधिक मजबूत

अलीगढ़ में डिप्टी सीएम केशव मोर्य ने विपक्ष पर साधा निशाना चलाया बोले— “2047 तक न कांग्रेस और न यूपी में सपा आने वाली है”

अलीगढ़ : डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मोर्य शुक्रवार को गांधी पार्क क्षेत्र के डीएडी इंटर कॉलेज में आयोजित एक कार्यक्रम में पहुंचे। इस दौरान भाजपा प्रदाधिकारियों ने फूल-मालाओं से उनका स्वागत किया। डिप्टी सीएम ने सपा की प्रस्तावित स्थ यात्रा और आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर विपक्ष पर कटाक्ष किया। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मोर्य ने कहा कि न तो देश में वर्ष 2047 तक कांग्रेस सत्ता में आने वाली है और न ही उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सत्ता में वापसी होने वाली है। अलीगढ़ में डिप्टी सीएम केशव मोर्य व अन्य (टपकमव बतमकपज: स्प्ट रीतंज) विपक्ष के बावों को लेकर उन्होंने कहा कि “मुंगेरालाल के हसीन सपने” देखने से किसी को कोई नहीं रोक



सकता, उनके मुताबिक, विपक्ष अभी से 2027 के चुनाव परिणाम के बाद लगाए जाने वाले आरोपों की स्क्रिप्ट तैयार कर रहा है। उन्होंने कहा कि चुनाव परिणाम आने के बाद विपक्ष हार का ठीकरा चुनाव आयोग और ईवीएम पर फोड़ेगा, उन्होंने दावा किया कि विपक्ष के पास आरोप लगाने के अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में कमल खिलता हुआ है और आगे भी खिलता

रहेगा, उन्होंने कहा कि विकसित भारत के साथ विकसित उत्तर प्रदेश न कांग्रेस बना सकती है, न समा, जवादी पार्टी बना सकती है, बल्कि भाजपा ही बना सकती है। उन्होंने कहा कि यह सारे भाजपा के विरोधी हैं, उन्होंने कहा कि भाजपा के विरोधी दल चाहे एकजुट होकर चुनाव लड़े या अलग-अलग लड़ेंगे तब भी कमल खिलेगा। उन्होंने कहा कि विपक्ष की स्थिति ऐसी है कि जहां चुनाव जीत जाएं वहां भाजपा का ग्राफ गिर गया है, मोदी जी का ग्राफ गिर गया है, उन्होंने कहा कि जहां चुनाव हार जाएं वहां ईवीएम खराब हो गई है, चुनाव आयोग खराब हो गया है, चोट की चोरी कर ली गई है, इस प्रकार के फर्जी आरोप लगाते हैं।

हैदराबाद में ‘बाहुबली क्रेन’ की मदद से 69 फीट ऊंचे गणपति का विसर्जन, बप्पा की विदाई में उमड़े लाखों श्रद्धालु

हैदराबाद: खैराताबाद गणेश शोभायात्रा का समापन भक्तों की भारी भीड़ की जय-जयकार के बीच एक भव्य समारोह के साथ हुआ, भक्तों ने 69 फीट ऊंची गणेश मूर्ति को भव्य विदाई दी, गत 11 दिनों से भक्तों द्वारा धूप-दीप और नैवेद्य चढ़ाकर पूजा-अर्चना की जा रही थी। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ और जयकारों के बीच, बप्पा की मूर्ति का विसर्जन संपन्न हुआ। इस विसर्जन समारोह को देखने के लिए सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़ पड़े थे, जिसकी वजह से पूरे हैदराबाद शहर में भारी भीड़ जमा हो गई थी, शोभा यात्रा सुबह 6 बजे शुरू होने वाली थी, क्रेन में आई खराबी के कारण 3 घंटे की देरी से यानी सुबह 9 बजे शुरू हुई, ‘बाहुबली क्रेन’ में आई तकनीकी खराबी की वजह से बड़े गणेश प्रतिमा को टस्कर (विशेष वाहन) तक पहुंचाने में देरी हुई, इस दौरान भक्त ‘जय बोलो गणेश



महाराज की जय’ के नारे लगा रहे थे। ज़ीपतजईक लंदमी पउमलेषवद हैदराबाद में ‘बाहुबली क्रेन’ की मदद से 69 फीट ऊंचे गणपति का विसर्जन, (स्प्ट रीतंज) गणपति के दर्शन के लिए लोग भारी तादाद में श्रद्धालु उमड़ पड़े, रास्ते भर भक्त ‘जय बोलो गणेश महाराज की जय’ के जयकारे लगाते रहे, गणेश शोभा यात्रा संसेशन थिएटर, टेलीफोन भवन, तेलुगु तल्ली पलाईओवर और

साधिवालय (सेक्रिटेरिएट) होते हुए हुसैन सागर के किनारे पहुंची, विशाल क्रेनों की मदद से हुसैन सागर में दोपहर 2:15 बजे विसर्जन की प्रक्रिया पूरी की गई। हैदराबाद में गणेश विसर्जन का यह कार्यक्रम बेहद कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच संपन्न हुआ, प्रशासन ने हर जगह किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुख्ता कदम उठाए थे, पूरे शहर को एक अमेच सुरक्षा घेरे में ला दिया गया था, जहां 20 हजार से अधिक पुलिसकर्मी और केंद्रीय बल तैनात किए गए थे। हैदराबाद के पुलिस कमिश्नर वी.सी. सज्जनार ने हर विभाग के साथ संपर्क में थे, इस महा विसर्जन शोभायात्रा की पल-पल की निगरानी के लिए सिटी पुलिस ने आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया था, इसके लिए पुलिस ने 10,000 सीसीटीवी कैमरों, 24 ड्रोंनों और

सीआरपीएफ की 88वीं महिला बटालियन के गठन के 40 वर्ष पूरे हो गए हैं, गौतम देबरॉय की रिपोर्ट.



नई दिल्ली: केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (बच्चे) शुक्रवार (24 सितंबर) को अपनी महिला जवानों के 40 साल के समर्पण और वीरता भरे योगदान का उत्सव मना रहा है, यह गौरवशाली अवसर 1986 में 88वीं महिला बटालियन के शामिल होने की याद में मनाया जाता है, इस सीआरपीएफ ने भारत की पहली पूरी तरह से महिलाओं वाली सशस्त्र पुलिस बटालियन और दुनिया भर में अर्धसैनिक बलों में अपनी तरह की पहली बटालियन बताया है, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (बच्चे) ने शुक्रवार को महिलाओं के लड़ाकू रोल (कॉम्बैट) में सेवा करने के 40 साल पूरे किए, इस मौके पर उन्होंने ऑपरेशनल तैयारी, आगे बढ़ने वाले सुधारों और एक ऐसे सुरक्षा परिस्थितिकी तंत्र के लिए अपना प्रतिबद्धता दोहराया, जहां महिला कर्मचारी आगे रहकर नेतृत्व करती हैं, सीआरपीएफ के निदेशक जनरल जीपी सिंह ने कहा कि सीआरपीएफ महिला कर्मचारियों के लिए मौके बढ़ाने और संस्थागत समर्थन के लिए

प्रतिबद्ध है, उन्होंने कहा कि आज, हमारी महिला कर्मचारी मुश्किल इलाकों, आतंकवाद विरोधी ग्रिड और उच्च-दांव वाली कानून-व्यवस्था संबंधी जिम्मेदारियों में खासियत और हिम्मत के साथ काम करती हैं, उन्होंने कहा कि आज महिला कर्मी मुश्किल इलाकों, आतंकवाद विरोधी अभियानों और कानून-व्यवस्था से जुड़े मुश्किल कामों में सेवा दे रही हैं, यह वर्दी में महिलाओं के लिए मौके बढ़ाने की सीआरपीएफ की कोशिशों को दिखाता है, सिंह इस मौके पर नई दिल्ली में हुए यादगार समारोह में बोल रहे थे, उन्होंने कहा कि पिछले चार दशकों में, सीआरपीएफ की महिला कर्मियों ने आतंकवाद विरोधी अभियान, दंगा नियंत्रण, वीआईपी सुरक्षा, खास नक्सल विरोधी तैनाती और यूएन पीसीकीपिंग मिशन में काम किया है, इस कार्यक्रम में सीआरपीएफ फेमिली वेलफेयर एसोसिएशन की कल्याणकारी पहल जय या मजिस्ट्रेट या कोई ऐसा लोक सेवक है या रहा हो, जिसे सरकार की मंजूरी के बिना उसके पद से नहीं

जवानों को जो पूरे भारत में मुश्किल हालात में और विदेशी मिशन पर तैनात हैं, सीआरपीएफ के मुताबिक 40 साल के सफर ने पेशेवर तैयारी, प्रगतिशील सुधार और कल्याणकारी समर्थन पर अपना फोकस मजबूत किया है, जिससे महिला जवानों को ऑपरेशनल जिम्मेदारियां बढ़ी करने में मदद मिली है, इससे दोहराया कि महिलाएं इसके ऑपरेशनल और सुरक्षा ढांचों में बढ़ती भूमिका निभाती रहेंगी, साथ ही इस बात पर फोकस किया जाएगा कि वे मुख्य मोर्चे से जुड़ी जिम्मेदारियों में सेवा करने के लिए तैयार, प्रशिक्षित और समर्थित हों, यह बताना जरूरी है कि सीआरपीएफ देश की अकेली पैरा मिलिट्री फोर्स है जिसके पास छह महिला बटालियन हैं और जवान जम्मू कश्मीर, नॉर्थईस्ट, अयोध्या, नक्सल प्रभावित इलाकों और देश के दूसरे हिस्सों में सक्रिय सेवा पर तैनात हैं, नवीनरतन सरकार की डेटा के मुताबिक, सीआरपीएफ में 10277 महिला कर्मी हैं, जो वीएसएफ में 12776 और सीआईएसएफ में 12665 घुके बाद तीसरे नंबर पर हैं, आईटीवीपी, एसएसबी और असम राइफल्स समेत दूसरे केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल में महिला कर्मियों की संख्या 4522, 4240 और 2512 है, हालांकि गृह मंत्रालय के डेटा के मुताबिक 31 दिसंबर, 2025 तक, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल और असम राइफल्स में महिला कर्मियों की कुल संख्या 46,992 थी, जबकि मंजूर पदों की संख्या 10,73,563 है, जो कुल संख्या का 4.37 प्रतिशत है.

प्रवर्तन निदेशालय ने झारखंड खनन विभाग की पूर्व सचिव पूजा सिंघल को 11 मई 2022 को गिरफ्तार किया था.

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को झारखंड की आईएस अधिकारी पूजा सिंघल के खिलाफ नियंता अदालत द्वारा मामले पर संज्ञान लेने के आदेश को रद्द करने से इनकार कर दिया, इसका मतलब यह है कि उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग (धन शोधन) मामले में मुकदमा जारी रहेगा, यह मामला पीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच के सामने आया, प्रवर्तन निदेशालय (न) की तरफ से पेश हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एस.बी. राजू ने दलील दी कि इस अपराध पर अदालत द्वारा संज्ञान बहुत पहले ही लिया जा चुका है, पूजा सिंघल का पक्ष रख रही वरिष्ठ वकील मीनाक्षी अरोड़ा ने कहा कि इस मामले में दंड प्रक्रिया संहिता (बच्चे) की धारा 197



के तहत एक प्रशासनिक अधिकारी पर मुकदमा चलाने के लिए जरूरी सरकारी मंजूरी नहीं दी गई थी, अरोड़ा ने यह भी कहा कि जिस 19 करोड़ रुपये का ठर जगह बिंदोरा पीटा जा रहा है, उसका उनकी नुपयिकल से कोई लेना-देना नहीं है, दंड प्रक्रिया संहिता (बच्चे) की धारा 197 कहती है, “जब कोई व्यक्ति, जो जज या मजिस्ट्रेट या कोई ऐसा लोक सेवक है या रहा हो, जिसे सरकार की मंजूरी के बिना उसके पद से नहीं

हटाया जा सकता, उस पर अपने आधिकारिक कर्तव्य को निभाने के दौरान किए गए किसी अपराध का आरोप लगाया जाता है, तो कोई भी अदालत सरकार की पिछली (यानी पहले से ली गई) मंजूरी के बिना ऐसे अपराध पर संज्ञान नहीं लेगी,” सुनवाई के दौरान वकील मीनाक्षी अरोड़ा ने दलील दी, “जिस तथ्यांकित 19 करोड़ रुपये को सीए के पास से बरामद किया गया था, उस सीए ने अलग-अलग बयान दिए हैं, अब तक कुल सात बयान दिये हैं, वह अपने पिछले बयान से मुकर गया है और एक बयान में उसने यह भी स्वीकार किया है कि यह पैसा उसका (यानी पूजा सिंघल का) बिल्कूल नहीं है,” पीठ ने जवाब दिया, “यही कारण है कि (मुकदमा चलाने की) मंजूरी का सवाल सीए के बयान की

लोकतांत्रिक तरीके से कराना कैसे है, ये सिखाने वाले अपार चाणक्य, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) टीएन शेषन का याद आना स्वाभाविक है।

गोवर्धन उपाध्याय की रिपोर्ट फिलहाल भारतीय चुनाव आयोग के कामकाज, मौजूदा चुनाव आयोग के फैसलों पर देशभर में राजनीतिक बवाल, विवाद भड़क रहे हैं। इस पृष्ठभूमि में देश में चुनावों को सबसे पारदर्शी, लोकतांत्रिक तरीके से कराना कैसे है, ये सिखाने वाले अपार चाणक्य, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) टीएन शेषन का याद आना स्वाभाविक है। सत्ता के सामने न झुकने वाली उनकी प्रतिबद्धता वाली शैली आज भी एक अदम्य आदर्श के रूप में है। 1990 में देश के 10वें सीईसी के रूप में कार्यभार संभालने वाले शेषन ने भारतीय चुनावों की तस्वीर पूरी तरह बदल दी। तब तक नाममात्र रहे चुनाव नियमों को सख्ती से लागू किया। वोटपत्र पहचान पत्र (वोटर आईडी) लाना, प्रचार खर्च पर सीमा लगाना, बाहुबल, धनबल को रोकने के लिए उनके उठाए कदम क्रांतिकारी थे। बूथ कब्जे, हिंसा होने वाले इलाकों में चुनावों को तुरंत रोकने से भी वे पीछे नहीं हटे। नेताओं के लिए खोफ व्यवस्था के लिए सुरक्षा कवच एक समय नाममात्र के पद तक सीमित चुनाव आयोग को संविधान ने दिए असली अधिकारों को शेषन ने दुनिया से परिचित कराया। वोटपत्र पहचान पत्र नहीं तो चुनाव ही नहीं कराऊंगा, अड़ कर हासिल किया। बूथ कब्जे, शराब, पैसे बांटना, दीवारों पर लिखाई रोकने के लिए चुनाव आचार संहिता को सख्ती से लागू किया। राजनीतिक नेताओं के लिए शेषन ने जोर से कही बातें आज भी न आसते में राजनीतिक नेताओं को खाता हूँ, अधिकारियों को स्वतंत्रता पर जोर देते हुए उनका कहा एक और वाक्य आज भी याद रहता है संविधान में कहीं भी चुनाव आयोग को सरकार के अधीन रहना चाहिए, दिखाइए पीवी, जयललिता से टकराव। सुप्रीम कोर्ट की चुनौती लोकतंत्र की रक्षा के तहत उस समय के देश के प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव, तमिलनाडु की मुख्यमंत्री जयललिता जैसे मजबूत नेताओं के फैसलों का भी शेषन ने जमकर विरोध किया। चुनाव नियमों का उल्लंघन करे तो कितना



भी बड़ा हो, छोड़ने का सवाल ही नहीं, साबित किया। शेषन की तेजी पर रोक लगाने के लिए केंद्र सरकार एकल सदस्य आयोग की जगह बहु सदस्य आयोग लाई। इस पर शेषन सुप्रीम कोर्ट गए, चुनाव आयोग के सर्वोच्च अधिकारों की रक्षा के लिए जमकर लड़े। देश की सर्वोच्च अदालत ने भी इस विषय में ऐतिहासिक आदेश जारी किए। इस कानूनी लड़ाई से चुनाव आयोग एक मजबूत स्वतंत्र संवैधानिक शक्ति के रूप में उभरा। प्रचार नियमों का उल्लंघन करने वाले केंद्रीय मंत्रियों को भी आड़े हाथों लिया। तमिलनाडु में तात्कालीन मुख्यमंत्री जयललिता की बेतावणियों की भी परवाह न करते हुए, कानून-व्यवस्था के नाम पर चुनाव टाल कर अपनी ताकत दिखाई। चुनाव संयोजन में केंद्रीय बलों की तैनाती अनिवार्य कर पारदर्शिता को महत्व दिया। अपने कार्यकाल में भ्रष्टाचार अनियमितताओं को रोकने के लिए शेषन ने दिखाई पहल

असाधारण थी। नेता कितनी भी सत्ता रखे, कानून के सामने सभी समान हैं, उन्होंने हर कदम पर साबित किया। चुनाव नियमों का उल्लंघन करने वाले उम्मीदवारों पर अयोग्यता की कार्रवाई कर, राजनीति में मूल्यों को बचाने के लिए शेषन दिन-रात मेहनत करते रहे। उनके लिए सुधार ही आज भी भारतीय लोकतंत्र की मजबूत नींव है। आज चुनाव आयोग की स्वतंत्रता पर अलग-अलग राय व्यक्त हो रही है, ऐसे समय में, टीएन शेषन के सुधारों का महत्व और स्पष्ट समझ आता है। व्यवस्थाओं पर लोगों को भरोसा हो, इसके लिए अधिकारियों में प्रतिबद्धता, शेषन जैसी हिम्मत बहुत जरूरी है, विश्लेषक मानते हैं। भारत के चुनावी इतिहास जब तक है ऋलोकतंत्र के रक्षक के रूप में शेषन का नाम हमेशा रहेगा

गोवर्धन उपाध्याय हनमकोंडा शहर से हनमकोंडा हर किसी को योग साधना करनी चाहिए हनमकोंडा जिला अतिरिक्त कलेक्टर एन.



रवि पर्यटन विभाग की ओर से हनमकोंडा जिला कलेक्टर ने योग कार्यक्रम सेहत के फायदों के लिए हर किसी को योग साधना करनी चाहिए। हनमकोंडा जिला अतिरिक्त कलेक्टर, टूरिज्म नोडल अधिकारी एन. रवि ने कहा। शुक्रवार को जिला पर्यटन विभाग की ओर से इस महीने की 27 तारीख को विश्व पर्यटन दिवस के उपलक्ष्य में योग कार्यक्रम हनमकोंडा जिला कलेक्टर परिसर में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में जिला अतिरिक्त कलेक्टर एन. रवि मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और विभिन्न विभागों के अधिकारी, योग साधक, छात्रों के साथ योगासन किए। इस अवसर पर जिला अतिरिक्त कलेक्टर रवि ने कहा कि रोज योग साधना करने से स्वस्थ रहेंगे, वैसे ही आधुनिक जीवनशैली में तनाव के बिना रहने के लिए योग मदद करता है। योग के फायदों को हर कोई जाने, सुझाव दिया। इस कार्यक्रम में जिला पर्यटन विभाग अधिकारी शिवाजी, एनएसएस कोऑर्डिनेटर श्रीनिवास, आयुष, अन्य विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, वॉलंटियर, योग साधक, छात्र शामिल हुए।



हैदराबाद वारंगल खम्मम ग्रेटर अध्यक्षों को नियुक्त करना चाहिए, जच्च् अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ से अपील की।



गोवर्धन उपाध्याय वरंगल शहर की रिपोर्ट ग्रेटर कांग्रेस हैदराबाद वारंगल खम्मम ग्रेटर अध्यक्षों को नियुक्त करना चाहिए। ग्रेटर वारंगल कांग्रेस वर्किंग प्रेसिडेंट राजनाला श्रीहरि की मांग आज वारंगल इंटर रोड स्थित पूर्वी कांग्रेस कार्यालय से एक बयान जारी किया। आने वाले दिनों में ग्रेटर म्युनिसिपल कॉरपोरेशन मेयर के पांच पदों पर कब्जा करना है तो तुरंत हैदराबाद वारंगल खम्मम ग्रेटर अध्यक्षों को नियुक्त करना चाहिए, जच्च् अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ से अपील की। आने वाले दिनों में 5 ग्रेटर कांग्रेस को अपने कब्जे में करना है तो तुरंत नियुक्त करना चाहिए, फिलहाल कांग्रेस पार्टी की स्थिति को देखते हुए विपक्ष के मुंह बंद करने हैं तो नियुक्त करना चाहिए। पिछले तीन साल से पांच अध्यक्षों को ग्रेटर अध्यक्ष नहीं बनाना दुखद है, अब तो तुरंत पांच ग्रेटर अध्यक्षों को नियुक्त करना चाहिए, सीएम रेवंत रेड्डी जी को, एआईसीसी अध्यक्ष खड्गे जी को, विपक्ष के नेता राहुल गांधी को, सोनिशा गांधी जी को, प्रमारी केंसी वेणुगोपाल जी को, मीनाक्षी नटराज जी को अपील की, राजनाला श्रीहरि ने महेश कुमार गौड़ को पीसीसी अध्यक्षों को एक पत्र भेजा।

शिल्पकला वैभव और प्राकृतिक सौंदर्य का केंद्र मुलुगु जिलामंत्री सीतक्का



मुलुगु, 25 सितंबर (बपअपब छंजपवद): मंत्री दनसरी अनसूया सीतक्का ने कहा कि मुलुगु जिला काकतीयों की शिल्पकला वैभव और प्राकृतिक सौंदर्य का केंद्र है। वर्ल्ड टूरिज्म डेडू 2026 के अवसर पर पालमपेट स्थित विश्व धरोहर रामप्पा मंदिर में आयोजित हेरिटेज वॉक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उन्होंने भाग लिया। उन्होंने कहा कि 13वीं शताब्दी का रामप्पा मंदिर काकतीय कला-संपदा का प्रतीक है। ऐतिहासिक धरोहरों और प्राकृतिक संपदा को संरक्षित कर आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना सभी की जिम्मेदारी है। मंत्री ने कहा कि मेडारम जातरा, लक्नावरम और बोगथा जलप्रपात जैसे पर्यटन स्थल मुलुगु जिले को विशेष पहचान दिलाते हैं। बाद में प्रतियोगिताओं में विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

वृद्धजनों के कल्याण और अधिकारों पर जागरूकता जरूरी



जिला कलेक्टर कोया श्रीहर्ष पेदापल्ली, 25 सितंबर): अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस सप्ताह के अवसर पर वृद्धजनों के कल्याण, संरक्षण और अधिकारों को लेकर व्यापक जागरूकता पैदा करने की जरूरत है, यह बात जिला कलेक्टर कोया श्रीहर्ष ने कही। शुक्रवार को समेकित जिला कलेक्ट्रेट में कलेक्टर ने "एल्डर गाइड" पोस्टरों का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि वृद्धजनों का सम्मान करना, उनकी जरूरतों को समझकर सहायता उपलब्ध कराना हर व्यक्ति की सामाजिक जिम्मेदारी है। कलेक्टर ने वृद्धजनों के अधिकारों की रक्षा के लिए सरकारी विभागों, स्वेच्छिक संस्थाओं और जनता से समन्वय के साथ काम करने की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाएं और सेवाएं वृद्धजनों तक पहुंचाने में "एल्डर गाइड" उपयोगी साबित होगा।

ये 5 ऋण परेशानियों का बनते हैं कारण, जीवन सुख-शांति से बिताना है तो इन कर्ज को जरूर उतारें, शास्त्रों में बताया है महत्व

व्यक्ति का जीवन केवल उसके कर्माँ तक सीमित नहीं माना गया है, बल्कि परिवार, देवी-देवताओं, ऋषियों और समाज के प्रति भी कुछ कर्तव्य बताया है। सनातन धर्म की मान्यताओं के अनुसार, जन्म लेते ही मनुष्य पर 5 तरह के ऋण माने जाते हैं। इन्हें पितृ, मातृ, देव, ऋषि और मनुष्य ऋण कहा गया है। मान्यता है कि इन दायित्वों को निभाने से जीवन में सुख-शांति बनी रहती है, वरना व्यक्ति को जीवनभर परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

1. मातृ ऋण का संबंध माँ और उनके परिवार से माना जाता है। इसमें नाना-नानी, मामा-मामी, मौसा-मौसी और मातृ पक्ष की पूर्व पीढ़ियों को भी शामिल किया जाता है। धार्मिक मान्यता में माँ को विशेष सम्मान दिया गया है। कहा जाता है कि माता का अपमान करना या उन्हें कष्ट पहुँचाना जीवन में परेशानियों का कारण बन सकता है। इसलिए माता और मातृ पक्ष के प्रति सम्मान और कर्तव्य निभाना जरूरी माना गया है।

2. पितृ ऋण में पिता के साथ दादा-दादी, ताऊ-चाचा और पूर्वजों की पीढ़ियों को शामिल किया जाता है। मान्यता है कि पूर्वजों के प्रति सम्मान और उनके निमित्त श्राद्ध-तर्पण करना संतान का दायित्व है। धार्मिक मान्यताओं में पितरों की उपेक्षा को परिवार में विभिन्न तरह की परेशानियों से जोड़ा गया है। पितृ ऋण से जुड़े धार्मिक उपायों में श्रीमद्भागवत महापुराण का पाठ, हवन, तर्पण और पिंडदान आदि का

उल्लेख मिलता है। गया जी जाकर पितरों का श्राद्ध और पिंडदान करने का आगे बढ़ना इस ऋण को चुकाने का माध्यम माना जाता है। इसी



की भी परंपरा है।

3. देव ऋण का संबंध देवी-देवताओं और कुल देवता के प्रति कर्तव्य से माना जाता है। धार्मिक परंपरा में माता-पिता को प्रथम देवता कहा गया है। इसके बाद व्यक्ति अपने इष्ट देव और कुल देवता की पूजा करता है। मान्यता है कि नियमित रूप से देवी-देवताओं का स्मरण और पूजा करना इस ऋण के प्रति कर्तव्य निभाने का एक तरीका है।

4. ऋषि ऋण, जिस ऋषि के मोत्र से व्यक्ति का संबंध माना जाता है, उनके प्रति सम्मान को यह ऋण से जोड़ा गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, ऋषियों के ज्ञान और चरंपरा

कारण धार्मिक परंपराओं में ऋषि तर्पण और अपने मोत्र का स्मरण करने का महत्व बताया गया है।

5. मनुष्य ऋण का दायरा काफी व्यापक माना गया है। इसमें उन लोगों के प्रति कुतज्ञता शामिल है, जिन्होंने जीवन में किसी न किसी रूप में मदद, स्नेह या सहयोग दिया। पशु-पक्षियों और प्रकृति से मिलने वाले सहयोग को भी इससे जोड़ा जाता है। जरूरतमंद और असहाय लोगों की मदद करना, किसी का हक न छीनना और दूसरों के प्रति संवेदनशील रहना इस ऋण को निभाने का एक तरीका बताया गया है।

बेंजनतकौप टतंज झंजी: क्यों मनाई जाती है अनंत चतुर्दशी? जानें 14 गांठों वाले अनंत सूत्र का रहस्य और पौराणिक कथा



अनंत चतुर्दशी का पावन पर्व इस साल 25 सितंबर 2026, शुक्रवार को मनाया जाएगा। इस दिन भगवान विष्णु के अनंत रूप की पूजा का विधान है। पंचांग अनुसार अनंत चतुर्दशी की पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 06:11 से शुरू होकर रात 11:06 बजे तक रहेगा। आप इस बीच कभी भी भगवान विष्णु की पूजा कर सकते हैं। लेकिन इस बात का विशेष ध्यान रखें कि जिन भी लोगों ने अनंत चतुर्दशी का व्रत रखा है उन्हें इस पर्व की पावन कथा को जरूर पढ़ना चाहिए। ये कथा बताती है कि अनंत चतुर्दशी का त्योहार क्यों मनाया जाता है और इसका महत्व क्या है। अनंत चतुर्दशी व्रत कथा अनुसार प्राचीन काल में सुमंत नाम

का एक तपस्वी ब्राह्मण था। जिसकी पत्नी का नाम दीक्षा था। उसकी एक कन्या भी थी जो बहुत सुंदर और धर्मपरायण थी। उस कन्या का नाम सुशीला था। सुशीला जब बड़ी हुई तो उसकी माता की मृत्यु हो गई। पत्नी के मरने के बाद सुशीला के पिता ने कर्कशा नामक स्त्री से दूसरा विवाह कर लिया। तो वहीं सुशीला का विवाह सुमंत ने कौडिन्य ऋषि के साथ कर दिया। लड़की की विदाई में जब कुछ देने की बात आई तब सीतेली मां ने दामाद को कुछ ईंटें और पत्थरों के टुकड़े बांध कर दे दिए। ये देख कौडिन्य ऋषि को बेहद दुख हुआ और वे अपनी पत्नी को लेकर अपने आश्रम की ओर चल दिए। सुशीला ने रखा अनंत व्रत रास्ते में ही रात हो गई इसलिए वे

नदी तट पर संध्या करने लगे। सुशीला ने देखा वहां पर बहुत-सी स्त्रियां किसी देवता की पूजा पर रही थीं। सुशीला ने जब स्त्रियों से इस बारे में पूछा तो उसे अनंत व्रत के बारे में पता चला। सुशीला ने भी वहीं उस व्रत का अनुष्ठान किया और साथ ही चौदह गांठों वाला डोरा हाथ में बांध कर अपने पति के पास आ गई। कौडिन्य ने सुशीला से डोरे के बारे में पूछा तो उसने सारी बात बता दी। लेकिन कौडिन्य ऋषि ने डोरे को तोड़ कर अग्नि में डाल दिया। इससे भगवान अनंत का अपमान हुआ। परिणामतः ऋषि कौडिन्य की सारी सम्पत्ति धीरे-धीरे नष्ट हो गई।

जब अनंत भगवान ने दिए दर्शन एक दिन ऋषि ने अपनी पत्नी से इस दरिद्रता का कारण पूछा तो सुशीला ने उनसे विनयपूर्वक कहा - 'हे स्वामी! आपके द्वारा किये गये अनन्त सूत्र के अनादर के कारण ही हमारी सारी संपत्ति नष्ट हुयी है। यह सुनकर अपने पाप का पश्चात्ताप करने हेतु ऋषिवर अनंत भगवान को खोजते हुये वन में चले गये। बहुत समय व्यतीत होने पर भी जब उन्हें प्रभु के दर्शन नहीं हुये तो ऋषिवर व्याकुल होकर मूर्च्छित हो गये। तब अनंत भगवान प्रकट होकर बोले: हे कौडिन्य! तुमने मेरा अपमान किया था, जिस कारण तुम्हें इतना कष्ट भोगना पड़ा। लेकिन अब तुमने पश्चताप किया है इसलिए मैं तुमसे प्रसन्न हूँ। अब तुम घर जाकर चौदह

भाद्रपद पूर्णिमा के दिन इस विधि से करें पूजा, घर पर बनी रहेगी मां लक्ष्मी की कृपा दृष्टि

हिंदू धर्म में पूर्णिमा तिथि का विशेष महत्व बताया गया है। इस दिन गंगा या अन्य पवित्र नदियों में स्नान करने से पुण्यकारी फलों की प्राप्ति होती है। इसके साथ ही पूर्णिमा के दिन दान करने का भी विधान है। धार्मिक मान्यता है कि पूर्णिमा के दिन किसी गरीब और जरूरतमंद को दान करने से धन-धान्य में वरकत होती है। भाद्रपद माह में पड़ने वाली पूर्णिमा को भाद्रपद पूर्णिमा कहा जाता है। इस साल 26 सितंबर को भाद्रपद पूर्णिमा का स्नान-दान और व्रत किया जाएगा। तो आइए जानते हैं पूजा विधि और शुभ मुहूर्त के बारे में।

भाद्रपद पूर्णिमा 2026 शुभ मुहूर्त पंचांग के अनुसार, भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि का आरंभ 25 सितंबर को रात 11 बजकर 6 मिनट पर होगा। पूर्णिमा तिथि समाप्त 26 सितंबर को रात 10 बजकर 18 मिनट पर होगा। भाद्रपद पूर्णिमा के दिन स्नान दान के लिए पहला मुहूर्त सुबह 4 बजकर 53 मिनट से सुबह 6 बजकर 28 मिनट तक रहेगा। अभिजित मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 6 मिनट से दोपहर 12 बजकर 54 मिनट तक रहेगा। वहीं विजय मुहूर्त का आरंभ दोपहर 2 बजकर 30 मिनट पर और समाप्त दोपहर 3 बजकर 18 मिनट पर होगा। भाद्रपद पूर्णिमा पूजा विधि पूर्णिमा के दिन प्रातःकाल उत्तरक स्नान आदि कर लें और फिर साफ सुथरे वस्त्र पहनें। इसके बाद अगर पूर्णिमा का व्रत रख रहे हैं तो सूर्य देव को अर्घ्य देने के बाद व्रत का संकल्प अब घर के मंदिर में ईशान कोण पर एक लकड़ी की चौकी रखें। चौकी पर लाल या पीले रंग का कपड़ा बिछाएं। फिर उस पर लक्ष्मी जी और भगवान विष्णु की प्रतिमा या चित्र स्थापित करें।

विष्णु जी को चंदन और माता लक्ष्मी को सिंदूर का तिल्य होने के बाद चंद्रमा को कच्चे दूध से अर्घ्य दें। चंद्रमा को अर्घ्य देने के बाद पूर्णिमा व्रत का पारण करें। भाद्रपद पूर्णिमा 2026 चंद्रोदय का समय भाद्रपद पूर्णिमा के दिन चंद्रोदय शाम 6 बजकर 18 मिनट पर होगा। बता दें कि पूर्णिमा का व्रत बिना चंद्र दर्शन के अधूरा माना जाता है। पूर्णिमा का व्रत चंद्रमा को अर्घ्य देने के बाद ही पूरा होता है और पारण भी चंद्र देव की पूजा के बाद ही किया



जाता है। हिंदू धर्म में पूर्णिमा तिथि का विशेष महत्व बताया गया है। इस दिन गंगा या अन्य पवित्र नदियों में स्नान करने से पुण्यकारी फलों की प्राप्ति होती है। इसके साथ ही पूर्णिमा के दिन दान करने का भी विधान है। धार्मिक मान्यता है कि पूर्णिमा के दिन किसी गरीब और जरूरतमंद को दान करने से धन-धान्य में वरकत होती है। भाद्रपद माह में पड़ने वाली पूर्णिमा को भाद्रपद पूर्णिमा कहा जाता है। इस साल 26 सितंबर को भाद्रपद पूर्णिमा का स्नान-दान और व्रत किया जाएगा। तो आइए जानते हैं पूजा विधि और शुभ मुहूर्त के बारे में। भाद्रपद पूर्णिमा 2026 शुभ मुहूर्त पंचांग के अनुसार, भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि का आरंभ 25 सितंबर को रात 11 बजकर 6 मिनट पर होगा। पूर्णिमा तिथि समाप्त 26 सितंबर को रात 10 बजकर 18 मिनट पर होगा। भाद्रपद पूर्णिमा के दिन स्नान दान के लिए पहला मुहूर्त सुबह 4 बजकर 53 मिनट से सुबह 6 बजकर 28 मिनट तक रहेगा। अभिजित मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 6 मिनट से दोपहर 12 बजकर 54 मिनट तक रहेगा। वहीं विजय मुहूर्त का आरंभ दोपहर 2 बजकर 30 मिनट पर और समाप्त दोपहर 3 बजकर 18 मिनट पर होगा। भाद्रपद पूर्णिमा पूजा विधि पूर्णिमा के दिन प्रातःकाल उत्तरक

स्नान आदि कर लें और फिर साफ सुथरे वस्त्र पहनें। इसके बाद अगर पूर्णिमा का व्रत रख रहे हैं तो सूर्य देव को अर्घ्य देने के बाद व्रत का संकल्प लें। अब घर के मंदिर में ईशान कोण पर एक लकड़ी की चौकी रखें। चौकी पर लाल या पीले रंग का कपड़ा बिछाएं। फिर उस पर लक्ष्मी जी और भगवान विष्णु की प्रतिमा या चित्र स्थापित करें। विष्णु जी को चंदन और माता लक्ष्मी को सिंदूर का तिलक लगाएं। फिर ताजे फूल अर्पित करें। भगवान की मूर्ति के सामने घी का दीया और धूप जलाएं। इसके बाद पूर्णिमा व्रत कथा का पाठ करें। विष्णु जी और माता लक्ष्मी की विधिपूर्वक पूजा करने के बाद आरती करें। अब मां लक्ष्मी और नारायण को फल, मिठाई या खीर का भोग लगाएं। शाम के समय चंद्रोदय होने के बाद चंद्रमा को कच्चे दूध से अर्घ्य दें। चंद्रमा को अर्घ्य देने के बाद पूर्णिमा व्रत का पारण करें।

भाद्रपद पूर्णिमा 2026 चंद्रोदय का समय भाद्रपद पूर्णिमा के दिन चंद्रोदय शाम 6 बजकर 18 मिनट पर होगा। बता दें कि पूर्णिमा का व्रत बिना चंद्र दर्शन के अधूरा माना जाता है। पूर्णिमा का व्रत चंद्रमा को अर्घ्य देने के बाद ही पूरा होता है और पारण भी चंद्र देव की पूजा के बाद ही किया

नानी ने किरदार में झोंकी पूरी ताकत, लेकिन बिखरी कहानी ने कम फीका किया असर



आज किया जाएगा गणेश विसर्जन, जानें विदाई से पहले बप्पा के कान में क्या बोलना चाहिए? आज यानी 10 दिवसीय गणेशोत्सव का आखिरी दिन है। हर साल भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को गणेश चतुर्थी मनाया जाता है। इसी दिन से गणेश उत्सव का आरंभ होता है, जिसका समापन चतुर्दशी तिथि (अनंत चतुर्दशी) के दिन होता है। इस दिन भक्तगण विधि-विधान के साथ शुभ मुहूर्त में गणेश विसर्जन करते हैं। विसर्जन के दिन गणपति जी से अपनी मनोकामना कहने और पूजा में हुई भूल-चूक के लिए क्षमा मांगें और अगले साल फिर से आने का भी निमंत्रण अवश्य दें। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, विसर्जन से ठीक पहले बप्पा के कान में अपनी इच्छा या मनोकामना कहने की एक विशेष परंपरा है। तो आइए जानते हैं कि विदाई से पहले गणेश जी के कान में क्या बोलना चाहिए। बप्पा के किस कान में बोलना चाहिए? विसर्जन से पहले गणेश जी के दाएं कान में धीरे से अपनी मनोकामना कहें। गणपति जी के कान में बोलते समय अपने मुंह को हल्के से ढंक लें

ताकि आपकी बात कोई दूसरा न सुने। साथ ही गणपति जी के कान को भी थोड़ा ढक लें फिर इसके बाद धीरे से अपनी इच्छा बोलें। गणेश जी के कान में क्या बोलना चाहिए? मनोकामना बोलें- गणपति विसर्जन से पहले बप्पा के कान में अपनी मनोकामना कहें। धार्मिक मान्यता है कि विसर्जन के समय मांगी गई मनोकामना शीघ्र पूरी हो जाती है। भूल-चूक की क्षमा- गणेश जी की पूजा-अर्चना में हुई किसी भी अनजाने भूल, त्रुटि या कमी के लिए क्षमा मांगें और आगे भी कृपा बनाए रखने की प्रार्थना करें। बप्पा के कान में कहें- 'हे विघ्नहर्ता, दस दिनों की सेवा में हमसे जो भी भूलहर्ता, दस दिनों की सेवा में हमसे जो भी भूल-चूक हुई हो, उसे क्षमा करें।' अगले साल आने का निमंत्रण दें- गणेश जी को विदा करने से पहले उन्हें अगले वर्ष फिर से अपने घर का निमंत्रण दें। गणपति जी के दाहिने कान में बोलें- 'गणपति बाप्पा मोरया, पुढच्या वर्षी लवकर या!' (हे बाप्पा, अगले वर्ष जल्दी आइएगा)।

सुख-समृद्धि की प्रार्थना- गणेश जी को विदाई देने से पहले उनके कान में घर में सुख-शांति और मंगल बनाए रखने की प्रार्थना करें। गणेश विसर्जन के समय कौन सा मंत्र बोलना चाहिए? गणेश विसर्जन करते समय बप्पा का ध्यान करते हुए इस मंत्र का जाप करना चाहिए। मंत्र है- ६ यान्तु देवगणाः सर्वे पूजामादाय मामकीम्। इष्टकामसमृद्धयर्थं पुनरागमनाय च॥ गणेश विसर्जन के लिए शुभ चौघड़िया मुहूर्त चतुर्दशी तिथि प्रारंभ- सितंबर 24, 2026 को 11:18 पी एम बजे चतुर्दशी तिथि समाप्त - सितंबर 25, 2026 को 05:02 पी एम बजे चतुर्दशी तिथि समाप्त - सितंबर 25, 2026 को 11:06 पी एम बजे प्रातः मुहूर्त (चर, लाभ, अमृत) - 06:28 ए एम से 10:59 ए एम अपराह्न मुहूर्त (चर) - 05:02 पी एम से 06:32 पी एम अपराह्न मुहूर्त (शुभ) - 12:30 पी एम से 02:01 पी एम रात्रि मुहूर्त (लाभ) - 09:31 पी एम से 11:01 पी एम रात्रि मुहूर्त (शुभ, अमृत, चर) - 12:30 ए एम से 04:59 ए एम, सितंबर 26

और लिखित शिकायत देकर मांग की है कि इन परिवारों को जनगणना में शामिल करने के लिए तुरंत सर्वे किया जाए इस बीच, इन तीन 'मौजों' के लिए जिम्मेदार कर्मचारी एक-दूसरे पर दोष मढ़ रहे हैं. जनगणना से छूटे परिवार तीन स्थानीय 'मौजों' में फैले हुए हैं. मोहम्मदपुर में 11 परिवार, नेहालपुर में तीन, गोरखपुर में सात और भाकरी में चार परिवार. निवासियों का आरोप है कि कर्मचारियों की लापरवाही के कारण उन्हें शामिल नहीं किया गया. सर्वे से छूटी बेबी खातून ने कहा, "हम सालों से इस गांव में रह रहे हैं और हमें नियमित रूप से सभी सरकारी लाभ मिलते हैं. हालांकि, जनगणना के लिए कोई हमारे घर नहीं आया. जब मैंने एक कर्मचारी से संपर्क किया, तो मुझे बताया गया कि हमारा घर किसी दूसरे 'मौजे' में आता है. उस इलाके से संपर्क करने पर मुझे कहीं और भेज दिया गया. सर्वे की समय-सीमा खत्म होने तक हमें झंझर-उधर बोझाया गया." एक और निवासी, जूली खातून ने कहा, "अगर हमारे परिवार का डेटा जनगणना जैसी जरूरी सरकारी प्रक्रिया में शामिल नहीं किया गया, तो हमें भविष्य में बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा. प्रशासन को तुरंत हमारे घरों पर आना चाहिए. हमारी जानकारी लेनी चाहिए और जनगणना की लिस्ट में हमारे नाम शामिल करने चाहिए." एक और स्थानीय निवासी सिराजुल इस्लाम ने कहा, "उन्होंने पिछले घर तक तो सर्वे किया, लेकिन मेरा घर छोड़ दिया. जब मैंने सर्वे करने वाले कर्मचारी से पूछा, तो उसने कहा कि यह उसकी जिम्मेदारी नहीं है. अब हम कहाँ जाएँ ? हम सभी सुविधाओं से वंचित रह जाएंगे." इस बीच, सर्वे करने के लिए नियुक्त कर्मचारी एक-दूसरे पर जिम्मेदारी टालते रहे. नजीजतन, किसी भी कर्मचारी ने इन परिवारों के घरों में जाकर उनकी जानकारी की पुष्टि नहीं की. जब उस गांव के लिए नियुक्त सर्वे कर्मचारी शोख अल्फाज से इस बारे में पूछा गया, तो उन्होंने सभी जिम्मेदारी ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर पर डाल दी. उन्होंने दावा किया, "वे घर गृहल मैप पर नहीं दिखते. हमने उस खास मौजा (राजस्व गांव) में सर्वे किया जो हमें सौंपा गया था. ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर को इस मामले की जानकारी है." पंचाल सब-डिविजनल प्रशासन के एक अधिकारी ने कहा, "हमें ग्रामीणों से शिकायतें मिली हैं. हम इन परिवारों के लिए सर्वे सुनिश्चित करने के बारे में उच्च अधिकारियों से बात करेंगे." मालदा उत्तर से बीजेपी सांसद खगेन मुर्मू ने कहा कि जनगणना नियमों के अनुसार ही की जाएगी. उन्होंने कहा कि उस गांव में जनगणना न होने के कारण की जाय की जानी चाहिए और मरोसा दिलाया कि वह

असम की हिमंता सरकार भर भरकर दे रही दुर्गा पूजा गिफ्ट, जानिए क्या क्या बोनस-उपहार मिलेंगे

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिरसा सरमा ने कहा, "कैबिनेट ने दुर्गा पूजा के मौके पर तोहफे के तौर पर, अक्टूबर महीने के लिए 'अरुनोदोई' योजना के लाभार्थियों को रजिस्टर 1250 रुपये की ग्रांट के बजाय 1500 रुपये देने का फैसला किया है..." उन्होंने यह भी कहा, "राज्य कैबिनेट ने आज असम टी कॉर्पोरेशन लिमिटेड (TCC) के चाय बागानों के योग्य मजदूरों और कर्मचारियों को 20 बोनस देने को मंजूरी दी। कैबिनेट ने पूजा की छुट्टियों के तौर पर पहले से तय चार दिनों के अलावा 17 अक्टूबर, 2026 को भी दुर्गा पूजा की छुट्टी देने का फैसला किया है..." चुनाव आयोग विवाद पर क्या बोले हिमंता असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिरसा सरमा ने कहा, "हम नवंबर में मिसिंग ऑटोनॉमस काउंसिल और सोनोवाल ऑटोनॉमस काउंसिल के चुनाव कराएंगे, और ये दोनों चुनाव बिना किसी पार्टी के होंगे..." असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिरसा सरमा ने कहा, "जब मुख्य चुनाव आयुक्त या अन्य चुनाव आयुक्त अल्पमत में हों, तो चुनाव आयोग कोई फैसला नहीं ले सकता। चुनाव आयोग का हर फैसला बहुमत से लिया जाना चाहिए, क्योंकि यह एक सामूहिक संस्था है। इसलिए देश भर में यह संदेश फैलाना कि मुख्य चुनाव आयुक्त ने एकतरफा फैसले लिए हैं, संवैधानिक ढांचे के मुताबिक नहीं है। ये सब राजनीतिक अभियान हैसीएम ने कहा, विचार-विमर्श से पहले लिए गए फैसले अलग बात हैं, लेकिन चुनाव आयोग का कोई भी फैसला आम सहमति या बहुमत की राय से ही लिया जाता है। इसीलिए मुख्य चुनाव आयुक्त को निशाना बनाना एक राजनीतिक अभियान है। मुझे नहीं लगता कि मुख्य चुनाव आयुक्त अन्य चुनाव आयुक्तों से सलाह लिए बिना कोई फैसला ले सकते हैं। इस तरह, मुख्य चुनाव आयुक्त को निशाना बनाना सिर्फ विपक्ष और 'दिमागी नक्सलियों' की हताशा को दिखाता है।" असम में इसरो की उन्नत रडार अनुसंधान



सुविधाअसम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंता बिरसा सरमा ने कुछ दिनों पहले कामरूप महानगरीय जिले के चंद्रपुर में इसरो की उन्नत रडार अनुसंधान सुविधा का भूमि पूजन किया और आधारशिला रखी। यह उत्तर-पूर्व भारत में अपनी तरह की पहली अंतरिक्ष निगरानी सुविधा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने इस परियोजना के सिंदेश फैलाना कि मुख्य चुनाव आयुक्त ने एकतरफा फैसले लिए हैं, संवैधानिक ढांचे के मुताबिक नहीं है। ये सब राजनीतिक अभियान हैसीएम ने कहा, विचार-विमर्श से पहले लिए गए फैसले अलग बात हैं, लेकिन चुनाव आयोग का कोई भी फैसला आम सहमति या बहुमत

की राय से ही लिया जाता है। इसीलिए मुख्य चुनाव आयुक्त को निशाना बनाना एक राजनीतिक अभियान है। मुझे नहीं लगता कि मुख्य चुनाव आयुक्त अन्य चुनाव आयुक्तों से सलाह लिए बिना कोई फैसला ले सकते हैं। इस तरह, मुख्य चुनाव आयुक्त को निशाना बनाना सिर्फ विपक्ष और 'दिमागी नक्सलियों' की हताशा को दिखाता है।" असम में इसरो की उन्नत रडार अनुसंधान पर लगभग 200 बीघा भूमि आवंटित की है। वहीं, पहला प्लाउड रडार अगले साल फरवरी तक स्थापित होने की उम्मीद है।

महादेव बेटिंग ऐप केस में ब्रह्म की बड़ी कार्रवाई, दुबई से लौटते ही किंगपिन अभिषेक कुमार गिरफ्तार

महादेव ऑनलाइन बेटिंग ऐप मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (ब्रह्म) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक प्रमुख आरोपी और कथित किंगपिन अभिषेक कुमार को गिरफ्तार किया है। ब्रह्म ने उसे दुबई से भारत लौटते ही हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया है कि अभिषेक कुमार महादेव बूक के जरिए ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए का नेटवर्क चलाने, अलग-अलग पैनल के बीच तालमेल बनाने और सट्टे से जुटाए गए पैसों को इकट्ठा करने में सक्रिय भूमिका निभा रहा था। सट्टेबाजी के पैसों से दुबई में संपत्तियां खरीदीं जांच एजेंसी के मुताबिक, उसने सट्टेबाजी से मिले पैसों से दुबई में अचल संपत्तियां भी खरीदी थीं। गिरफ्तारी के तुरंत बाद की गई तलाशी में ब्रह्म ने उसके पास से कई अहम और आपत्तिजनक सामान बरामद किए हैं। एजेंसी का कहना है कि जब सामान से प्रथम दृष्टया महादेव बेटिंग ऐप के संचालन में अभिषेक की भूमिका सामने आती है। वह मामले के मुख्य आरोपियों सीरम चंद्राकर और शुभम सोनी के साथ मिलकर काम कर रहा था। गिरफ्तारी के बाद अभिषेक को हैदराबाद की स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जहां से ब्रह्म को तीन दिन की ट्रांजिट रिमांड मिली। इसके बाद उसे रायपुर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से वो दिनेश की पुलिस कस्टडी रिमांड हासिल की गई। 13 थप्प ब्रह्म को सौंपी गई। महादेव बेटिंग ऐप से जुड़े मामले में छत्तीसगढ़ सरकार ने अलग-अलग थानों में चर्ज 13 थप्प ब्रह्म को ट्रांसफर की थी। ब्रह्म ने इन मामलों की जांच



अपने हाथ में ली। अब तक एजेंसी इस मामले में 100 आरोपियों के खिलाफ 8 वार्जंशीट दाखिल कर चुकी है। इनमें महादेव ऐप के मुख्य प्रमोटर, पैनल संचालक, हवाला ऑपरेटर और छत्तीसगढ़ सरकार के कुछ कर्मचारी भी शामिल हैं। ब्रह्म अब उन आरोपियों की तलाश में जुटी है, जो अभी भी फरार हैं। एजेंसी ने महादेव बेटिंग ऐप के मुख्य प्रमोटरों को भारत वापस लाने की भी कोशिश तेज कर दी है। अब तक 7 रेड कॉर्नर नोटिस और 2 प्रत्यर्पण

प्रस्ताव भेजे जा चुके हैं, जबकि दो आरोपियों के खिलाफ प्रत्यर्पण की कार्रवाई चल रही है। ब्रह्म का कहना है कि मामले में शामिल सभी लोगों को कानून के शिकार में लाने के साथ-साथ सट्टेबाजी से हुई अपराध से अर्जित आय का भी पता लगाया जा रहा है। बता दें कि इस मामले में अब तक कई बॉलीवुड सेलिब्रिटीज और राजनेताओं का नाम सामने आ चुका है। आइए, जानते हैं महादेव बेटिंग ऐप क्या है?

प्रयागराज में नशे के बड़े सिंडिकेट का भंडाफोड़: 11 हजार कोडीन सीरप और 1 लाख से अधिक नशीली टैबलेट बरामद

प्रयागराज : कमिशनरेट पुलिस और औषधि प्रशासन विभाग की संयुक्त टीम ने अंतरसुइया क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित एक गोदाम पर छापा मारकर नशीली व प्रतिबंधित दवाओं का विशाल जखीरा बरामद किया है। कल्याणी देवी चौकी क्षेत्र में नाले के पास एक बंद गोदाम से 11,037 शीशी कोडीनयुक्त कफ सीरप, 11,825 नशीले इंजेक्शन, 35,520 कैप्सूल और 1,61,400 टैबलेट समेत भारी मात्रा में सामग्री जब्त की गई है। पुलिस ने मुख्य आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसकी तलाश तेज कर दी है। डीसीपी सिटी सागर जैन ने बताया, सोमवार रात करीब 2 बजे गश्त के दौरान अंतरसुइया पुलिस को कल्याणी देवी क्षेत्र स्थित एक मकान के पीछे बने गोदाम में अवैध दवाओं के भंडारण की सटीक सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही एसीपी अंतरसुइया, थाना पुलिस और प्रयागराज के ड्रग इंस्पेक्शन की संयुक्त टीम ने गोदाम पर छापा मारा। निरीक्षण के दौरान गोदाम का कोई वैध लाइसेंस या आधिकारिक दस्तावेज नहीं मिला। प्रतिबंधित इंजेक्शन और साइकोट्रॉपिक दवाएं शामिल : कार्रवाई के दौरान विभिन्न कंपनियों के कोडीनयुक्त कफ सीरप के अलावा एनडीपीएस एक्ट के तहत आने वाले साइकोट्रॉपिक साल्ट्स जैसे अल्पाजोलम,



ट्रामाडोल की टैबलेट्स, व्यूप्रेनॉर्फिन और पेंटाजोसिन लेक्टेट के भारी संख्या में इंजेक्शन बरामद किए गए। ड्रग इंस्पेक्टर की रिपोर्ट के आधार पर बरामद माल की कीमत लगभग 1 करोड़ है। किराए पर गोदाम लेकर पति-पत्नी चला रहे थे नेटवर्क : जांच में सामने आया है कि पास के

गुजराती मोहल्ला निवासी अरुणी सहगल ने बुजुर्ग महिला (बेबी टंडन) से यह गोदाम पिछले 10-11 महीनों से किराए पर ले रखा था। आरोपी अपनी पत्नी के साथ मिलकर इस अवैध भंडारण और आपूर्ति के नेटवर्क को संचालित कर रहा था। आरोपी का पुराना आपराधिक इतिहास भी एनडीपीएस एक्ट से जुड़ा रहा है। सप्लाय चैन और लीकेज की जांच जारी : अंतरसुइया थाने में सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। पुलिस और औषधि विभाग अब जब्त दवाओं के बैच नंबरों के आधार पर संबंधित फार्मा कंपनियों से पताचार कर रहे हैं, यह पता लगाया जा सके कि दवाएं किस स्तर से लीक होकर अवैध बाजार में खपाई जा रही थीं।

'राहुल गांधी में समझ और ज्ञान की कमी, असलियत को समझ नहीं पाते', ज्ञानेश कुमार SIR के मुद्दे पर BJP का पलटवार



भारतीय जनता पार्टी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और 'ए' के मुद्दे पर राहुल गांधी की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद पलटवार किया है। बीजेपी सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि किसी जमाने में एंटी-इनकम्बेंसी कांग्रेस पर भी बेअसर थी। बीजेपी नेता ने कहा कि राहुल गांधी में समझ और ज्ञान की कमी है। वे असलियत को समझ नहीं पाते हैं। उनका विवेक शून्य है। राहुल गांधी अपने दम पर एक भी सीट नहीं जीत सकते हैं। देश में एंटी-इनकम्बेंसी एक स्थापित सच प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए बीजेपी नेता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, 'राहुल गांधी ने कहा कि इस देश में एंटी-इनकम्बेंसी (मीजूदा सरकार के खिलाफ नारा, जंगी) एक स्थापित सच है और यह बात बीजेपी के सत्ता में आने के बाद से ही देखी जा रही है। कांग्रेस के खिलाफ एंटी-इनकम्बेंसी निश्चित रूप से बहुत लगातार और मजबूत रही है। राहुल गांधी को भारतीय राजनीति की समझ नहीं है। बीजेपी ने कांग्रेस को याद दिलाया एंटी-इनकम्बेंसी का इतिहास बीजेपी नेता सुधांशु त्रिवेदी ने आगे कहा, '1967 के बाद से कांग्रेस तमिलनाडु में कभी सत्ता में नहीं लौटी, जबकि उस समय भारतीय जनता पार्टी का अस्तित्व भी नहीं था। 1977 के बाद से कांग्रेस बंगाल में सत्ता में नहीं लौटी। वहां 1977 से 2011 तक 34 साल कम्युनिस्टों का शासन रहा, फिर भी राहुल गांधी न तो इसे समझते हैं और न ही देखते हैं। और फिर भी वे एंटी-इनकम्बेंसी का मुद्दा उठाते हैं। एक दौर ऐसा भी था जब कांग्रेस लंबे समय तक सत्ता में रही। वोटर आईडी कार्ड से पहले का दौर, जिसमें बूथ कैप्चरिंग, बैलेट बॉक्स लूटना और गोलीबारी जैसी घटनाएं होती थीं। उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में शायद ही कोई चुनाव ऐसा होता था जिसमें लोग मारे या घायल न हों। उस समय, कांग्रेस के खिलाफ एंटी-इनकम्बेंसी काम नहीं करती थी।' कांग्रेस पार्टी लगातार 100 सालों से सत्ता में रही— ठीक बीजेपी नेता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, 'मैं साफ तौर पर कहना चाहता हूँ कि सत्ता-विरोधी भावना असल में कांग्रेस पार्टी के अंदर है, खासकर गांधी परिवार में। कांग्रेस पार्टी लगातार सौ सालों से सत्ता में रही है। लेकिन आज, सत्ता-विरोधी भावना इतनी मजबूत हो गई है कि वे किसी सहयोगी के सहारे के बिना एक भी सीट नहीं जीत सकते। पिछले 25 सालों से कांग्रेस पार्टी रायबरेली और अमेठी में सिर्फ समाजवादी पार्टी के समर्थन से ही जीतती आ रही है। वरना, न तो सोनिया गांधी और न ही राहुल गांधी में इतनी काबिलियत है कि वे समाजवादी पार्टी के समर्थन के बिना अपने परिवार के गढ़ों को अपने दम पर जीत सकें। इसी तरह, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वायनाड में जीते, लेकिन वे मुस्लिम लीग के समर्थन से जीते, एक ऐसी सीट पर जहां मुस्लिम आबादी 60 से 65 प्रतिशत है। उनमें मुस्लिम लीग के समर्थन के बिना सीट जीतने की काबिलियत और राजनीतिक हैसियत नहीं है। इसलिए, मेरा मानना है कि राहुल गांधी के अनुभव की कमी के बारे में जो आकलन किया गया है, वह बिल्कुल सही है। राजनीतिक रूप से, उन्हें लगभग कोई जानकारी नहीं है, बल्कि उनमें भारतीय राजनीति की बुनियादी समझ की भी कमी है। प्रेस की आजादी का करता हूँ सम्मान— सुधांशु त्रिवेदी बीजेपी नेता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, 'किसी भी खबर के मामले में और मैं यह बात प्रेस की आजादी का सम्मान करते हुए कह रहा हूँ— संबंधित व्यक्ति से हमेशा सवाल पूछे जाते हैं और उनका बयान लिया जाता है। क्या उस बयान को कोट किया जाता है? नहीं। क्या आपके पास ऐसी एक भी रिपोर्ट है जिससे पता चले कि फैसला सर्वसम्मति से नहीं हुआ था? नहीं। क्या कोई ऐसी प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई है जिसमें तीनों कमिश्नर मौजूद न हों? नहीं। तो फिर इस दावे का आधार क्या है?'

शिमला में कार और रोडवेज बस की जोरदार टक्कर, माता-पिता और दादी की मौतय परिवार में पसरा मातम

शिमला। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला के घणाहड़ी क्षेत्र में गुरुवार को दर्दनाक सड़क हादसे ने एक परिवार को जिंदगी भर का गम दे दिया। घंड़ल-सोलह मील के पास कार की भ्रष्ट बस से जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में कार सवार बेटे ने अपनी मां, पिता और दादी को खो दिया। तीनों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि युवक घायल बताया जा रहा है और उसे उपचार के लिए फ्लड अस्पताल पहुंचाया गया है। हादसे में युवक घायल, माता-पिता और दादी की मौत बताया जा रहा है कि परिवार सुबह इलाज के लिए फ्लड अस्पताल पहुंचा था। दवा लेने के बाद सभी कार में सवार होकर वापस घणागुघाट लौट रहे थे। इसी दौरान घंड़ल-सोलह मील के पास उनकी कार भ्रष्ट बस की संपेट में आ गई। कार में दो महिलाएं और दो पुरुष सवार थे। हादसे में तीन लोगों की मौत हुई है, जबकि घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। मृतक और घायल फांजी गांव के रहने वाले बताए जा रहे हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हादसा ओवरस्पीड और पास लेने के दौरान हुआ। हालांकि हादसे में किसकी गलती थी, इसकी आधिकारिक पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी। एक ही हादसे में मे दो बहनों की मौत, शिमला के चोपाल सब-डिविजन के टेलर गांव में मे दो बहनों (उम्र 11 और 8 साल) अपने घर पर बेहोश मिलीं और इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। जितेंद्र चौहान की बेटियां 20 सितंबर को अपने कमरे में बेहोश मिलीं और उन्हें तुरंत ट्यूनी अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने के कारण उन्हें रोहक अस्पताल रेफर किया गया और बाद में इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज (फ्लड), शिमला भेज दिया गया। इलाज के दौरान लड़कियों की मौत हो गई और अधिकारियों ने पोस्टमार्टम के बाद उनके शव परिवार को सौंप दिए। नेरवा के नायब तहसीलदार कुश कुमार ने कहा कि शुरुआती जांच से मौत का कारण सांप का काटना लग रहा



ग्लोबल मार्केट की मजबूती से भारतीय बाजारों में रौनकय सेंसेक्स 64 अंक चढ़ा



दिलवाया था, यह एशियन गेम्स के इतिहास में इस स्पर्धा में भारत का तीसरा पदक है, अन्नी सीमा एशियन गेम्स में ही 5000 मीटर दौड़ में भी हिस्सा लेने वाली हैं। सीमा इस साल बेहद शानदार प्रदर्शन कर रही हैं, ऐसे में उनसे एक और मेडल की उम्मीद है, मजदूरी करते हैं माता-पिता 10 जनवरी 2001 को हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में जन्मी सीमा भारत की एक प्रमुख लंबी दूरी की एथलीट हैं, उन्होंने बेहद गरीबी से निकलकर राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय स्तर पर देश और राज्य का नाम रोशन किया है, झुलाड़ा पंचायत के रेता गांव में सीमा का जन्म चंबा के एक बेहद सामान्य और आर्थिक रूप से कमजोर परिवार में हुआ था, उनके माता-पिता

मार्केट क्रैश: कच्चे तेल की आग में झुलसा
दलाल स्ट्रीटय सेंसेक्स 1248 अंक टूटा,
निफ्टी 23100 के नीचे बंद



प्रतिशत उछला. इसी तर्ज पर एशियाई बाजारों में भी मजबूती रही। य जापान का निफ्टी 1.38 प्रतिशत और दक्षिण कोरिया का कोसपी 1.89 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे. क्या है निफ्टी और बैंक निफ्टी के अहम स्तर? बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, निफ्टी 50 के लिए नीचे की तरफ 23,250दु23,300 के स्तर पर मजबूत सपोर्ट मौजूद है, जबकि ऊपर की तरफ 23,560दु23,600 के स्तर पर रेजिस्टेंस (रूकावट) देखा जा सकता है. वहीं, पिछले सत्र में 56,470 पर बंद हुए बैंक निफ्टी के लिए 56,000दु56,300 का स्तर अहम सपोर्ट और 56,800दु57,000 का स्तर बड़ी रूकावट साबित हो सकता है. बाजार के जानकारों का मानना है कि कीमती धातुओं में स्थिरता आने और फिक्सड इनकम पर रिटर्न आकर्षक होने के कारण, निवेशकों को इस समय एक

उपस टीम का हिस्सा बनें और कप जीतें। अगर ऐसा होता है, तो यह पूरे देश के लिए एक शानदार पल होगा क्योंकि यह उनका आखिरी वर्ल्ड कप (2027) के वर्ल्ड कप हो सकता है। साथ ही, हमने लंबे समय से के वर्ल्ड कप नहीं जीता है। इस बड़े टूर्नामेंट में हमारी आखिरी जीत 2011 में हुई थी। अब इसे जीतना 'रो-को' जैसी के लिए भी एक बड़ी उपलब्धि होगी। इसीलिए मुझे उम्मीद है कि ये दोनों टीम में बने रहेंगे और देश के लिए टूर्नामी जीतेंगे। रोहित-कोहली अब सिर्फ एक फॉर्मेट में खेलते हैं। बता दें कि 'रो-को' जोड़ी ने 2024 T20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद खुरशी और संतुष्टि के साथ इंटरनेशनल T20 क्रिकेट को अलविदा कहा। अगले साल, उन्होंने टेस्ट क्रिकेट से भी संन्यास की घोषणा कर दी। अब



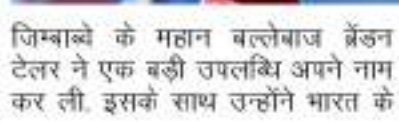
मुंबई: भारतीय इक्विटी बाजारों के लिए आज का कारोबारी सत्र बेहद निराशाजनक रहा। वैश्विक स्तर पर बढ़ते मेक्रोइकोनॉमिक जोखिमों और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई भारी तेजी के कारण घरेलू शेयर बाजार में घोरतरफा विकवाली देखने को मिली। बेचमाफ सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी, दोनों ही आज करीब 1.5 प्रतिशत से अधिक की बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए। बाजार के मुख्य आंकड़े ठै सेंसेक्स: बीम्ये स्टॉक एक्सचेंज का 30 शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स 1,247.71 अंक या 1.67 की भारी गिरावट के साथ 73,560.54 के स्तर पर बंद हुआ, कारोबार के दौरान एक समय यह 1,264.33 अंक तक टूटकर 73,563.92 के निचले स्तर पर पहुंच गया था। ठै निफ्टी: नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख सूचकांक निफ्टी-50 भी 383.70 अंक (1.64) फिसलकर 23,063.10 पर बंद हुआ। इस गिरावट के साथ निफ्टी ने 23,100 का महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक स्तर भी खो दिया है। आज का कैसा रहा बाजार (मज्ठ ठमठज्ठ)
बाजार में बड़ी गिरावट के मुख्य कारण 1. कच्चे तेल की कीमतों में उछाल अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेट क्रूड 2.36 की बढत के साथ 105.4 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। भारत अपनी तेल जरूरतों को ऐसे कच्चे तेल का महंगा होना देश के व्यापार घाटे को बढाता

है और घरेलू स्तर पर महंगाई की चिंता पैदा करता है, जिससे कॉरपोरेट मुनाफे पर सीधा असर पड़ता है। 2. अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में रिकॉर्ड तीनों वैश्विक बाजारों में बॉन्ड की बिकवाली से अमेरिका की 10 वषी ट्रेजरी यील्ड बढ़कर 5.11% का आसपास पहुंच गई है, वहीं 30 वषीय बॉन्ड यील्ड 2004 के बाद के अपने उच्चतम स्तर पर है। बॉन्ड यील्ड में रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में आगे और बढ़ोतरी की आशंका बढ़ गई है, जिससे विदेशी संस्थागत निवेशक (थे) उभरते बाजारों से पैसा निकाल रहे हैं। 3. रेगुलेटरी समीक्षा और घरेलू चित्ताबाजार विश्लेषकों के अनुसार, बैंकिंग और बीमा सेक्टर में आज विशेष रूप से कमजोरीएक्सचेंज का प्रमुख सूचकांक निपटी-50 भी 383.70 अंक (1.64%) किसलकर 23,063.10 पर बंद हुआ, इस गिरावट के साथ निपटी देखी गई इश्योर्स रेगुलेटर द्वारा कमीशन संरचनाओं की समीक्षा की खबरों से निवेशकों की घारणा प्रभावित हुई है। कंपनियों के माजिन और भविष्य की लाभप्रदता पर पड़ने वाले असर को लेकर निवेशक सतर्क रुख अपना रहे हैं। आज से गिरने वाले प्रमुख शेयर (मूट तम तज)टॉप गेनर्स और लूजर्सआज के कारोबार में सेंसेक्स की 30 प्रमुख कंपनियों में से 29 के शेयर तात् निशान में बंद हुए। नुकसान वाले मुख्य शेयर सबसे ज्यादा गिरावट बजाज फाइनेंस (-5.47%), एमिस बैंक (-4.67%) और

बजाज फिनसर्व (-4.06) में दर्ज की गई, इसके अलावा इंटरग्लोब एविएशन (इडिगो), ट्रेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा और डेवीपेट रिलायंस इंडस्ट्रीज में भी भारी बिकवाली रही। बड़त वाले शेयर: आज के बाजार में केवल छच्च का शेयर ही बिना किसी बदलाव के फ्लैट बंद होकर अपनी साख बयाने में कामयाब रहा, छैम् की शानदार लिस्टिंग: आज की एकमात्र राहतवाज़र की इस भारी गिरसरवनाओं की समीक्षा की खबरा, से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई है, कंपनियों के मार्जिन और भविष्य की लाभप्रदता पर पड़ने वाले असर को लेकर निवेशक सतर्क रुख अपना रहे हैं। आज से गिरने वाले प्रमुख शेयर: (मूट टा-हाउटिंग) गैन्स और लुजर्स आज के कारोबार में सेंसेक्स की 30 प्रमुख कंपनियों में से 29 के शेयर लाल निशान में बंद हुए। नुकसान वाले मुख्य शेयर: सबसे ज्यादा गिरावट बजाज फाइनेंस (-5.47), एक्सिस बैंक (-4.87) और बजाज फिनसर्व (-4.06) में दर्ज की गई, इसके अलावा इंटरग्लोब एवट के बीच नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (छैम्) के शेयरों की बाज़ार में धमाकदार शुरुआत हुई, देश के दूसरे सबसे बड़े 22,569 करोड़ के आईपीओ के बाद, छैम् का शेयर अपने पहले ही दिन लगभग 2% की बढ़त के साथ ६1.818 पर बंद हुआ, इसके साथ ही छैम् का कुल बाज़ार मूल्यांकन ६4.49 लाख करोड़ पर पहुंच गया है।

जिम्बाब्वे के स्टार बल्लेबाज ने तोड़ा सचिन तेंदुलकर का एक बड़ा रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया ने हारे स्पोर्ट्स क्लब न जिम्बाब्वे को पहले वनडे मैच में 59 रनों से मात दे दी. मंगलवार को खेले गए तीन मैचों की सीरीज के पहले मैच में मेहमान टीम मथ्यू रेनशा की 109 रनों की पारी की बदौलत 8 विकेट पर 294 रन बनाने में सफल रही. जबकि मेजबान टीम 45.1 ओवर में 235 रनों पर ही ढेर हो गई. जिसमें नाथन एलिस ने पांच विकेट झटके.

ये मैच भले ही ऑस्ट्रेलिया अपने नाम करने में कामयाब हो गया. लेकिन



महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। इस मैच में प्लेइंग-11 का हिस्सा बनते ही टेलर वनडे क्रिकेट के इतिहास में सबसे लंबा करियर बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। ब्रंडन टेलर ब्रंडन टेलर (फाई) टेलर ने सचिन का तौड़ा रिकॉर्ड जिम्बाब्वे के अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज ब्रंडन टेलर का वनडे करियर 22 साल और 146 दिन हो गया है। उन्होंने 2004 में डेब्यू किया था। उन्होंने भारत के

विकेटकीपर-बल्लेबाज ब्रेडन टेलर का वनडे करियर 22 साल और 146 दिन हो गया है. उन्होंने 2004 में डेब्यू किया था. उन्होंने भारत के

समय रैना की कार से निकलीं रूमर्ड गर्लफ्रेंड मेधा शंकर, पैपराजी को देखते ही बदला अंदाज, बनाया अटपटा मुंह, फिर भार्गी

समय रैना और मेधा शंकर पिछले कुछ समय से अपनी कथित डेटिंग को लेकर सुर्खियों में हैं। दोनों ने कभी अपने रिश्ते को आधिकारिक तौर पर स्वीकार नहीं किया है, लेकिन साथ में नजर आने और सोशल मीडिया पर एक-दूसरे के साथ वॉलिंग के चलते उनके तिकअप की चर्चा होती रहती है। अब मेधा का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह समय रैना की कार से बाहर निकलती दिखाई दे रही है। कैमरों की नजर पड़ते ही एक्ट्रेस का रिएक्शन देखने लायक था। वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है और लोगों का कहना है कि पकड़े जाने के बाद लोगों का रिएक्शन ऐसा ही होत है। समय की कार से उतरती दिखीं मेधा सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में मेधा शंकर को मुंबई के जुहू इलाके में समय रैना की ब्लैक टोयोटा बेलफायर से उतरते देखा गया। कार से बाहर आते ही उन्हें अंदाजा नहीं था कि आसपास पैपराजी मौजूद हैं। जैसे ही उनकी नजर कैमरों पर पड़ी, उनके चेहरे पर अचानक हैरानी के भाव नजर आए। मेधा कुछ सेकंड के लिए कैमरे की तरफ देखती हैं और फिर वहां से निकलने लगती हैं। उन्होंने पैपराजी के सामने रुककर पोज देने के बजाय खुद को कैमरे से दूर रखा और भागती दिखीं। इसी दौरान उनका रिएक्शन सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींच रहा है। हालांकि सिर्फ इस वीडियो के आधार पर दोनों के रिश्ते को लेकर किसी तरह की आधिकारिक पुष्टि नहीं होती है। यहां देखें वीडियो ऐसे शुरू हुई दोनों के



रिश्ते की चर्चसमय रैना और मेधा शंकर के बीच कथित रिश्ते की खबरें अचानक नहीं आईं। दोनों के एक साथ नजर आने और सोशल मीडिया पर उनकी नजदीकियों को लेकर फैंस ने कयास लगाने शुरू किए। समय के कॉमेडी शो और डिजिटल स्पेस से जुड़े होने के कारण उनकी पर्सनैलिटी को लेकर पहले से ही लोगों की दिलचस्पी रहती है, वहीं मेधा '12वीं फेब' जैसी फिल्म में अपने अभिनय से पहचान बना चुकी हैं। दोनों को अलग-अलग मौकों पर साथ देखे जाने के बाद सोशल मीडिया पर यह चर्चा तेज हुई कि दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। इसके बाद साथ ट्रेवल करने की खबरों ने भी इन अटकलों को बढ़ाया। हालांकि समय और मेधा ने अब तक अपने रिश्ते को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। समय ने मेधा को बताया था अपनी करीबी दोस्त

दोनों की वॉलिंग की चर्चा उस समय भी हुई थी जब मेधा शंकर समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेस्ट' में नजर आई थीं। शो के दौरान समय ने मेधा का नाम अपनी करीबी दोस्त के तौर पर लिया था। उनके इस जवाब को फैंस ने दोनों की नजदीकी से जोड़कर देखा और इसके बाद डेटिंग की चर्चाओं को और हवा मिली। हालांकि दोनों के बीच दोस्ती है या इससे आगे कोई रिश्ता, इस बारे में उन्होंने सार्वजनिक रूप से कुछ स्पष्ट नहीं किया है। शादी की अफवाह पर क्या बोले समय और मेधा? कुछ समय पहले सोशल मीडिया पर दोनों की शादी को लेकर भी दावा किया गया था। एक ऑनलाइन पोस्ट में कहा गया कि समय और मेधा दिसंबर 2026 में शादी कर सकते हैं। इस पोस्ट के वायरल होने के बाद दोनों की प्रतिक्रिया का लोगों को इंतजार था। समय रैना ने इस

अरब सागर में पाकिस्तान ने किया अनुच्छेद 10 का उल्लंघन, युद्धपोत से चढ़ा जहाज के टकराने पर भारत की दो टूक



नई दिल्ली: भारत ने अरब सागर में एक पाकिस्तानी जहाज और भारतीय नौसेना के युद्धपोत के बीच हुई टक्कर के बारे में इस्लामाबाद के आरोपों को शुक्रवार को सिर से खारिज करते हुए कहा कि यह घटना पड़ोसी देश के जहाज की खतरनाक गतिविधियों के कारण हुई। भारतीय पक्ष के अनुसार यह घटना मंगलवार रात को हुई, जब पाकिस्तानी जहाज उत्तरी अरब सागर में नियमित निगरानी मिशन पर तैनात भारतीय नौसेना के अग्रिम मोर्चे के युद्धपोत के करीब आ गया, भारत ने बुधवार को पाकिस्तान के दूतावास प्रभारी साद वरैच को तलब किया था और राजनयिक स्तर पर विरोध दर्ज कराया था। इसके बाद पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने भारत के दूतावास

प्रभारी सत्यंजल पांडे को तलब किया और आरोप लगाया कि भारतीय युद्धपोत की आक्रामक गतिविधि के कारण यह टक्कर हुई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अपनी नियमित प्रेस चर्चा में शुक्रवार को कहा कि पाकिस्तानी जहाज ने 1991 के उस समझौते का उल्लंघन करते हुए "खतरनाक" गतिविधि की, जिसके तहत नौसेना के जहाजों को तीन समुद्री मील की दूरी बनाए रखनी होती है। जायसवाल ने भारतीय युद्धपोत की पहचान आईएनएस कोल काता के तौर पर की, जो एक मिसाइल विध्वंसक है। उन्होंने कहा, "हमारे जताये गए विरोध पर हमने पाकिस्तान की प्रतिक्रिया देखी है। यह वही टालमटोल वाला रवैया है जिसकी हमें उम्मीद थी, हम उसमें

शामिल आरोपों और आक्षेपों को खारिज करते हैं।" उन्होंने कहा कि भारतीय जहाज आईएनएस कोलकाता पश्चिमी अरब सागर में नियमित तैनाती पर था, तभी पाकिस्तानी नौसेना के जहाज 'हुनैन' ने समुद्र में 'अस्वीकार्य और गैर-पेशेवर तरीके' से व्यवहार किया, जिसके परिणामस्वरूप टक्कर हुई। जायसवाल ने कहा, "पीएनएस हुनैन द्वारा खतरनाक तरीके से ओवरटेक करने का कदम अप्रैल 1991 में भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्याभ्यास, युद्धाभ्यास और सैनिकों की आवाजाही के बारे में अग्रिम सूचना देने के लिए हुए समझौते के अनुच्छेद 10 का गंभीर उल्लंघन है। इस अनुच्छेद में कहा गया है कि समुद्र में नौसेना की इकाइयां एक-दूसरे से तीन समुद्री मील से कम दूरी पर नहीं होनी चाहिए। इसके अलावा, पाकिस्तानी जहाज ने समुद्र में टक्कर रोकने के अंतरराष्ट्रीय नियमों का भी उल्लंघन किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तानी पक्ष को एक बार फिर सलाह दी गई है कि उसकी सभी सैन्य इकाइयां (पोत आदि) सावधानी बरते और ऐसी घटनाओं को दोबारा होने से रोकने के लिए दूना। पक्षों के बीच संबंधित समझौतों के प्रावधानों का सम्मान करें। जायसवाल ने कहा कि इस घटना में आईएनएस कोलकाता को कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ और वह समुद्र में ही तैनात है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने

'जेलर 2' में विद्या बालन की धमाकेदार एंट्री, फर्स्ट लुक में स्वैग देख लोगों को याद आई 'डर्टी पिक्चर' की 'रेशमा'

जेलर 2 की रिलीज डेट जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे मेकर्स दर्शकों के लिए फिल्म से एक-एक कर सरप्राइज छोड़ रहे हैं। अब जेलर 2 के निर्माता ने रजनीकांत स्टार फिल्म से विद्या बालन की पहली झलक पेश की है। इससे पहले मेकर्स ने एसजे सुर्या का बोधि और सुरज वैजारागू का दिलीप लुक पेश किया था। निर्माताओं ने विद्या के किरदार का पहला टीजर जारी किया है। वह कांथा का किरदार निभा रही हैं, जो एक नया और रहस्यमय किरदार है, जिसे नए वीडियो में दमदार तरीके से पेश किया गया है। विद्या नीली साड़ी और काले ब्लाउज में, हाथ में सियरेट लिए, सीढ़ियों से उतरकर एक कमरे में जाती हुई दिख रही हैं। इसके अलावा ज्यादा कुछ पता नहीं चलता, लेकिन इस छोटी सी झलक से एक बात स्पष्ट हो जाती है कि कांथा को एक शांत स्वभाव वाली शख्सियत के रूप में पेश नहीं किया जा रहा है। विद्या इस सीन में एक विशेष अधिकार का भाव दर्शाती हैं, जबकि अनिरुद्ध खर्वेकर का संगीत माहौल को और भी प्रभावशाली बना देता है। फिल्म निर्माताओं ने अभी तक कांथा की कहानी में भूमिका का खुलासा नहीं किया है। हालांकि, खबरों के मुताबिक विद्या, मिथुन चक्रवर्ती की सबसे बड़ी बेटे का किरदार



निर्माणी, बताया जा रहा है कि मिथुन जेलर 2 में मुख्य खलनायक हैं और रजनीकांत के साथ स्क्रीन शेयर करेंगे, इससे पहले सोशल मीडिया पर विद्या का जेलर 2 लुक छा गया है और फैंस उन पर खूब प्यार लुटा रहे हैं। कईयों को जेलर 2 में विद्या का यह दमदार अंदाज देख एक्ट्रेस की फिल्म डर्टी पिक्चर में उनका रेशमा का किरदार याद आ गया है। इस किरदार का खुलासा फिल्म निर्माताओं

द्वारा जेलर 2 के प्रचार का एक हिस्सा है, जो 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित तमिल फिल्मों में से एक है। इस सीक्वल में रजनीकांत तं मुखर्देव पांडियन के रूप में वापसी कर रहे हैं, जबकि पहली फिल्म जेलर 2023 की सबसे बड़ी तमिल हिट फिल्मों में से एक बन गई थी। नेल्सन दिलीपकुमार द्वारा निर्देशित फिल्म 'जेलर' मुखर्देव पांडियन की कहानी है, जो एक रिटायर्ड जेलर हैं और उनके बेटे के लापता होने के बाद उनका शांतिपूर्ण जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। सैकनलिक के अनुसार, फिल्म ने भारत में 348.55 करोड़ रुपये का नेट और वर्ल्डवाइड 604.50 करोड़ रुपये का ग्राँस कलेक्शन किया था।

जेलर 2 के बारे में जेलर 2 में राध्या कृष्णन, योगी बाबू, मिर्ना और रितिक अहम की खलनायक में एसजे सुर्या, मिथुन चक्रवर्ती, विद्या बालन, सुरज वैजारागू, अन्ना राजन और जतिन सरना जैसे प्रभावशाली नए कलाकार की सरप्राइजिंग एंट्री है। फिल्म में कई किंगी भूमिकाओं की भी उम्मीद है। खबरों के अनुसार मोहनलाल, शिव राजकुमार, जैकी श्रॉफ, विजय सेतुपति और ऋतिक रोशन

निर्देशक श्रीकांत ओडेला और नानी ने 2023 में आई फिल्म 'दसरा' में साथ काम किया था। इस फिल्म की सफलता के बाद जब दोनों ने दोबारा साथ आने का ऐलान किया तो उम्मीदें अपने आप बढ़ गईं। 'दसरा' की खासियत यह थी कि फिल्म ने अपने किरदारों और उनके माहौल को अच्छी तरह समझा था। ऐसे में 'द पैराडाइज' का पहला लुक सामने आया तो उसने तुरंत लोगों का ध्यान खींच लिया। पहली झलक में नानी को पहचानना तक मुश्किल था। दो चोटियों, बदला हुआ शरीर, नाक में नथ और चेहरे पर गुरसे से भरी नजर ने फिल्म के प्रति उत्सुकता बढ़ा दी थी। पोस्टर से लगा कि इस बार कुछ बिल्कुल अलग देखने को मिलेगा। कई बार रिलीज टलने के बाद आखिरकार 'द पैराडाइज' 24 सितंबर को सिनेमाघरों में पहुंच गई है। लेकिन सबाल यही है कि क्या फिल्म का असल अनुभव उसके पहले लुक जितना प्रभावशाली है? अफसोस, पूरी तरह नहीं। क्या है 'द पैराडाइज' की कहानी? फिल्म की कहानी आजादी के बाद के दौर में स्थापित की गई है। कहानी जदल नाम के एक युवक के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसका संबंध समाज के उस हाशिए पर खड़े समुदाय से है, जिसे लंबे समय से सम्मान, पहचान और अपनी जिंदगी पर अधिकार से वंचित रखा गया है। जदल का समुदाय मलिक के कठोर शासन के नीचे जिंदगी गुजार रहा है। गरीबी उनकी रोजमर्रा की सच्चाई है। खाने की कमी से लेकर रोजगार के अभाव तक, उनकी जिंदगी में मुश्किलों की कोई कमी नहीं। जिस जगह को वे अपना घर मानते हैं, उसी जगह पर उन्हें बाहरी और दोगले दर्जे का समझा जाता है। जदल बचपन से अपने आसपास यह अन्याय देखता आया है। लेकिन उसके समुदाय के लोगों को उसमें एक उम्मीद नजर आती है। उन्हें लगता है कि एक दिन यही लड़का उनके ऊपर पड़े बंधनों को तोड़ सकता है और उन्हें उस जिंदगी से बाहर निकाल सकता है, जिसमें वे पीढ़ियों से फंसे हुए हैं। यही से फिल्म जदल के संघर्ष की कहानी शुरू होती है। वह धीरे-धीरे यह समझने की कोशिश करता है कि उसे किसके लिए लड़ना है और क्या वह पूरे समुदाय



के संघर्ष को अपने कंधों पर उठाने के लिए तैयार है। फिल्म जातिगत भेदभाव, पहचान, शोषण, बदला, प्रति, रोष और सम्मान जैसे कई गंभीर मुद्दों को छूती है। समस्या यह है कि एक साथ इतने विषय कहानी में डाल दिए गए हैं कि कई विचारों को पूरी तरह विकसित होने का मौका नहीं मिल पाता। नानी ने संभाली फिल्म की कमान जदल के किरदार में नानी फिल्म की सबसे मजबूत कड़ी है। उनका लुक पूरी तरह किरदार के अनुरूप दिखाई देता है। उन्होंने अपने हावभाव और शारीरिक बदलाव से जदल की दुनिया को अपने आप की पूरी कोशिश की है। खासकर एक्शन सीक्वेंस में नानी का अंदाज प्रभावशाली है। जहां उन्हें बड़े पर्दे अदाकारी में नहीं, बल्कि उस लेखन में है जो उनके किरदार को पर्याप्त जगह नहीं देता। जदल के भीतर कई भावनाएं चल रही हैं, लेकिन कहानी इतनी तेजी से आगे बढ़ती है कि कई भावनात्मक दृश्यों का असर पूरी तरह सामने नहीं आ पाता। सोनाली कुतकर्णी जदल की मां शमका के किरदार में अच्छा काम करती हैं। उन्होंने किरदार को जरूरत से ज्यादा नाटकीय बनाने के बजाय सहज रखा है। उनके अभिनय में एक मां की तकलीफ और अपने बेटे के लिए चिंता साफ नजर आती है। वहीं राघव जुयाल का किरदार कुछ हद तक उलझा हुआ लगता है। वह साफ कानस मुश्किल हो जाता है।

कि वह कहानी का मुख्य खलनायक है, किसी बड़े किरदार का साथी है या फिर उसके हिस्से में अलग तरह का कॉमिक एंगल रखा गया है। राघव इससे कहीं ज्यादा सूझ समझ भरे विषय कहानी में डाल दिए गए हैं कि कई विचारों को पूरी तरह विकसित होने का मौका नहीं मिल पाता। नानी ने संभाली फिल्म की कमान जदल के किरदार में नानी फिल्म की सबसे मजबूत कड़ी है। उनका लुक पूरी तरह किरदार के अनुरूप दिखाई देता है। उन्होंने अपने हावभाव और शारीरिक बदलाव से जदल की दुनिया को अपने आप की पूरी कोशिश की है। खासकर एक्शन सीक्वेंस में नानी का अंदाज प्रभावशाली है। जहां उन्हें बड़े पर्दे अदाकारी में नहीं, बल्कि उस लेखन में है जो उनके किरदार को पर्याप्त जगह नहीं देता। जदल के भीतर कई भावनाएं चल रही हैं, लेकिन कहानी इतनी तेजी से आगे बढ़ती है कि कई भावनात्मक दृश्यों का असर पूरी तरह सामने नहीं आ पाता। सोनाली कुतकर्णी जदल की मां शमका के किरदार में अच्छा काम करती हैं। उन्होंने किरदार को जरूरत से ज्यादा नाटकीय बनाने के बजाय सहज रखा है। उनके अभिनय में एक मां की तकलीफ और अपने बेटे के लिए चिंता साफ नजर आती है। वहीं राघव जुयाल का किरदार कुछ हद तक उलझा हुआ लगता है। वह साफ कानस मुश्किल हो जाता है।

'टॉक्सिक' से 5 दिन पहले चुपके से आई कॉमेडी ड्रामा 'मोधा रात्रि'

इस साल अगस्त में सिनेमाघरों में कई फिल्में रिलीज हुईं, जिनमें से कई तो सिनेमाघरों में छा गईं, मगर कई दर्शकों के दिल नहीं जीत सकीं। अगस्त में 'टॉक्सिक' से लेकर 'हनुमान अंश' जैसी फिल्में रिलीज हुईं, जहां 'टॉक्सिक' ने रिलीज के पहले सुर्खियां बटोरीं तो वहीं 'हनुमान अंश' ने रिलीज के कुछ दिनों बाद और अब तक सिनेमाघरों में ये फिल्म छाई है। इसी बीच रिलीज हुई कॉमेडी ड्रामा फिल्म 'मोधा रात्रि' भी काफी चर्चा में रही। चुपके से थिएटरों में दस्तक देने वाली ये फिल्म अब डिजिटल प्रीमियर के लिए तैयार है। मेकर्स ने इसकी ओटीटी रिलीज की आधिकारिक तौर पर घोषणा कर दी



है। 'मोधा रात्रि' की ओटीटी रिलीज सिनेमाघरों के बाद अब कॉमेडी ड्रामा 'मोधा रात्रि' ओटीटी पर दस्तक देने वाली है। मेकर्स ने सोशल मीडिया के जरिए इसकी ओटीटी रिलीज का

ऐलान किया है, जिसके अनुसार ये फिल्म 18 सितंबर को ओटीटी पर रिलीज होगी। निर्देशक राजा करुपसामी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में ऋषिकांत और अनिशमा अनलकुमार जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में हैं। ऋषिकांत के लिए ये फिल्म इसलिए भी खास है, क्योंकि बतौर लीड एक्टर ये उनकी पहली फिल्म है। क्या है 'मोधा रात्रि' की कहानी? 'मोधा रात्रि' की कहानी अरेंज मैरिज की जटिलताओं के इर्द-गिर्द घूमती है। कहानी दो ऐसे लोगों की है, जो पारिवारिक दबाव में एक-दूसरे से